कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय ....संस्कृत साहित्य....

परीक्षा का दिन ....गुरुवार....

दिनांक ....28/3/19....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक ☐☐☐☐

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

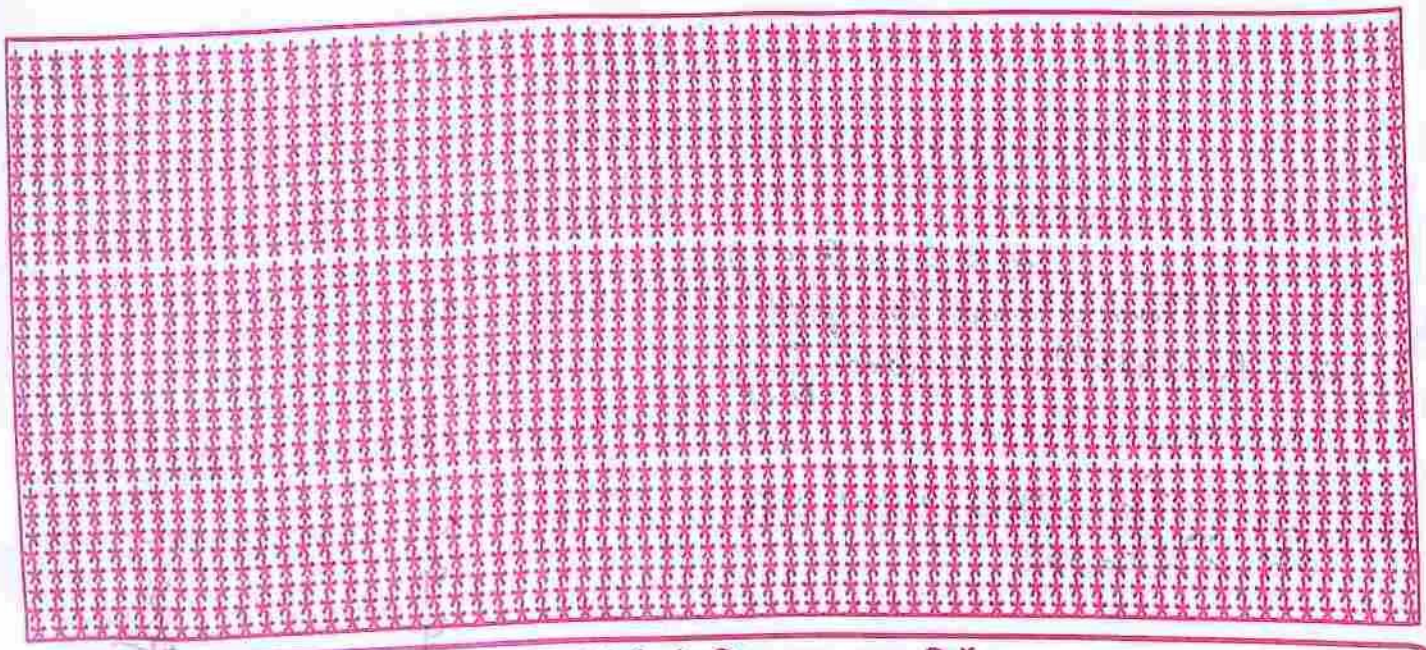

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचनां के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1.	
	(क) उ०	अमृतम् ।
	(ख) उ०	सुभाषितं बालात् ग्रहणीयम् ।
	(ग) उ०	काञ्चनम् ।
	(घ) उ०	अमित्रम् ।
	3. (क) उ०	रामः ।
	(ख) उ०	पुनः त्रैलोक्यस्य (रामस्य) जीवितं प्रत्यागतम् ।
	(ग) उ०	सपदि ।
	(घ) उ०	स्पर्शः ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	4.	
	(क)	
	उ॰	अपरिणामोपशमो दारुणो किम् कृः ?
	(ख)	
	उ॰	चारुदत्तस्य केन सह संवादः भवति ?
	(ग)	
	उ॰	संस्कृत साहित्ये 'बृहत्त्रयी' इति नाम्ना कति महाकाव्यानि सन्ति ?
	8.	
	उ॰	धनानि ।
	9.	
	उ॰	अलकापुर्याम् ।
	10	
	उ॰	मैत्रेयः ।
	13.	
	उ॰	भक्षयामि ।
	15.	
	उ॰	'मुद्राराक्षसम्' नाटके स्त्रीपात्राणां पूर्णतया अभावः । इदम् इदं नाटकं सप्ताङ्केषु विभक्तम् ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

16.
उ० कादम्बर्यां निबद्धा कथा "बृहत्कथा" इति ग्रन्थात् गृहीता।
शुकनास: तारापीडस्य अमात्य: आसीत्।

17.
(क)
उ० संस्कृतस्य प्रथम: ऐतिहासिक: उपन्यास: 'शिवराजविजय:' अस्ति।

(ख)
उ० 'ईश्वरविलास:' इति महाकाव्यस्य रचनाकार: श्रीसीताराम भट्ट पर्वणीकर: अस्ति।

(ग)
उ० पं गिरिधरशर्मणा रचितकथाया: नाम 'कश्चित् कवि' अस्ति।

19.
(क)
उ० क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।

S S S, I I S, I S I, I I S, S S I, S S I, S
मगण सगण जगण सगण तगण तगण गुरु

शार्दूलविक्रिडी।
शार्दूलविक्रीडितम् छन्द =>
लक्षणम् => सूर्याश्वैर्यदि म: सजौ सततगा: शार्दूलविक्रीडितम्।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

20.
(क)
उ० श्लेषः →

लक्षणम् → "श्लिष्टैः पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष इष्यते"

यत्र श्लिष्टैः पदैः अनेकार्थं अभिधानं क्रियते तत्र श्लेषः अलंकारः भवति।
उदाहरणम् →

उच्छलद् भूरि कीलालः शुशुभे वाहिनीपतिः।

अत्र 'कीलालः' शब्दस्य अनेकार्थं प्रति अस्ति। कीलालः शब्दस्य प्रथमः अर्थः 'जलं' अस्ति द्वितीयार्थ च 'रक्त' अस्ति। तथैव वाहिनीपति शब्दस्य प्रथमः अर्थः 'समुद्रः' द्वितीय च 'सेनापति' अस्ति।

21.
(ख)
उ० 'संसार विषवृक्षस्य द्वे एव रसवत् फले।' अस्मिन् पद्यांशे 'रूपकं' अलंकारः अस्ति।
रूपकं →

लक्षणम् → "तद्रूपकमभेदो यः उपमानोपमेययोः"

यत्र उपमानोपमेययोः अभेदः प्रकटयति तत्र 'रूपक' अलंकारः भवति। अत्र 'संसार' उपमेये विषवृक्षस्य स्थान उपमानस्य आरोपः अस्ति। अतः अत्र रूपक अलंकारः अस्ति।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

२६.

(क) पावकः => पौ + अकः
औ अ
प् आव् अकः
पावकः
अयादि सन्धि -> सूत्र => "एचोऽयवायावः"

ख) विष्णोऽव => विष्णो + अव
पूर्वरूप सन्धि => "एङः पदान्तादति" सूत्रं ।

२७.

(क) होतृ + ऋकारः
ऋ ऋ
होत् ॠ कारः
होतॄकारः
दीर्घ सन्धि -> "अकः सवर्णे दीर्घः" सूत्रं ।

(ख) गगन + ऊर्ध्वम्
अ ऊ
गगन् ओ र्ध्वम्
गगनोर्ध्वम्
गुणसन्धि -> "आद् गुणः" सूत्रं ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	२४.	
	(क)	
	उ०	द्वितीया विभक्ति सूत्र → 'अधिशीङस्थासाम् कर्म'
	(ख)	
	उ०	तृतीया विभक्ति सूत्र → 'इत्थं भूतलक्षणे'
	(ग)	षष्ठी विभक्ति
	उ०	सूत्र → 'षष्ठी हेतुप्रयोगे'
	(घ)	सप्तमी विभक्ति
	उ०	सूत्र → 'सप्तम्यधिकरणे'
	२५.	
	(क)	
	उ०	अनुरूपम् ⇒ रूपस्य योग्यम् [अव्ययीभाव समास]
	(ख)	
	उ०	कुपुरुषः ⇒ कुत्सितः पुरुषः [कर्मधारय समास]
	उ०.	
	(क) उ०	चोराद् भयम् ⇒ चौरभयम् [पञ्चमी तत्पुरुष]
	(ख) उ०	दश आननानि यस्य सः ⇒ दशाननः (रावण) [बहुव्रीहि]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

25. उ०
(क) अहं असत्यं न वदामि ।

(ख) छात्राः विद्यालये क्रीडन्ति ।

(घ) विद्यालयं परितः वृक्षाः सन्ति ।

(च) सः छ्यः जयपुरं अगच्छत् ।

(ज) राजा सह सेनापतिः अचलत् ।

26.
उ०
(घ) वने एकः सिंहः प्रतिवसति स्म ।
(ख) सः बलात् सर्वान् पशून् हन्ति ।
(घ) पशवः मिलित्वा प्रतिदिनम् एकैकमृगस्य क्रमः निर्धारितवन्तः ।
(ग) सिंह समयातिक्रमेण बुभुक्षितः ।
(छ) शशकः वदति - मार्गे अपरः सिंहः मिलति ।
(झ) सिंहः कोपाविष्टः भवति ।
(ङ) शशकः सिंह कूपे नयति ।
(ज) सिंह कूपमध्ये आत्मनः प्रतिबिम्बं पश्यति ।
(ग) सिंहः चिन्तयति - कूपे अपरसिंह अवश्यमेव वर्तते ।
(ङ) सिंहः कूपे अपतत् मृतश्च ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	22.	
	(क)	
	उ०	भगवान् महावीरः।
	(ख)	
	उ०	अस्यां मेलायां जैन धर्मावलम्बिनां साधूनां समवायोऽपि भवति।
	(ग)	
	उ०	प्राचीनतमा।
	(घ)	
	उ०	जनाः।
	23.	
	(क)	
	उ०	सद्गुणाः।
	(ख)	
	उ०	श्रद्धया विनयेन श्रेयसाम् अभिवादनेन च नरः सर्वत्र सिद्धिं समधिगच्छति।
	(ग)	
	उ०	अभिवादयन्ति।
	(घ)	
	उ०	साम्प्रतं परिवारेषु सद्गुणानां संरक्षणं शिक्षणम् आवश्यकम्।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18.

उत्तर द्रुतविलम्बितम्

लक्षणम् → "द्रुतविलम्बितमाह नभौ भरौ।"

III SI IS I ISIS

उदा: → इतर पाप फलानि यदृच्छया

वितर तानि स हे चतुरानन

III SI I S IISIS

III SI I S IISIS

अरसिकेषु कवित्वनिवेदनम्

शिरसि मा लिख मा लिख मा लिख

IIII S II S II SIS

* अस्मिन् छन्दसि प्रत्येक चरणे द्वादशवर्णाः सन्ति।
* अस्मिन् छन्दसि प्रत्येकचरणे भवति → नगणः, भगणः, पुनः भगणः, रगणः च।

6. माता गुरुतरा ---------------- तृणात्।

उ० अन्वयः → माता तु भूमेः गुरुतरा पिता च खात् उच्चतर (अस्ति)। मनः वातात् शीघ्रतरं (भवति) चिन्ता च तृणात् बहुतरी।

अर्थ → युधिष्ठिर यक्ष के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहते है कि माता भूमि से भारी होती है अर्थात माता का मान सबसे बडा है। पिता आकाश से भी ऊँचा है। मन जो है वह वायु से भी तीव्र गति वाला है तथा चिन्ता तिनको से भी बहुत अधिक अनन्त है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2.	
	(क)	
	उ॰	मानवाः
	(ख)	
	उ॰	शक्तिद्वारैव सर्वं कर्तुं शक्यते।
	(ग)	
	उ॰	माता
	(घ)	
	उ॰	भवान्
	7.	
	(क)	
	उ॰	उपासते ⇒ स्वीकार करता है।
	(ख)	
	उ॰	अपरम् ⇒ दूसरा
	11.	
	उ॰	इन्दुमती त्रिलोचनै कथयति
	12.	
	उ॰	अहिंसनं
	11	
	उ॰	इन्दुमती त्रिलोचनाय कथयति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

14
उ०

संस्कृतसाहित्ये वेदानाम् अतिरिक्तं वेदाङ्गः अपि अस्ति। वेदानाम्, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदश्च अतिरिक्तं षडवेदाङ्गानि महत्वपूर्णाः सन्ति।

(1) व्याकरण ⇒ व्याकरणग्रन्थे वेदानाम् स्वर-व्यंजन शब्दानाम् शुद्ध रूपं अस्ति। व्याकरणं मुखस्यसंज्ञा दीयते।

(2) ज्योतिष ⇒ ज्योतिषग्रन्थ चक्षु कथ्यते। ज्योतिष ग्रन्थाः कालज्ञानं सहायकं भवति। ज्योतिष शास्त्रैव मुहूर्त काल निर्धारणं करोति।

(3) छन्द ⇒ छन्दशास्त्र पादौ कथ्यन्ते। छन्दशास्त्रे यति, ~~मत्रानाम्~~ मात्राः आदिनाम् वर्णनं अस्ति।

5.
(ख) स यत् .... अनुवर्तते।

भावार्थ ⇒ श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते है कि श्रेष्ठ व्यक्ति जो जो आचरण करता है ~~जैसा~~ सम्पूर्ण संसार के लोग वैसा ही आचरण करते है। श्रेष्ठ व्यक्ति संसार के समक्ष जो उदाहरण अथवा प्रमाण प्रस्तुत करता है। सम्पूर्ण ~~सन्~~संसार भी उसी का अनुसरण करता है। अतः हे अर्जुन तुम अपने कर्म को निश्चित रूप से करो। क्योंकि तुम संसार के समक्ष जैसा आचरण करोगे वैसा ही सभी करेंगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(क) अल्पानामपि - - - - - - - - - - कार्यसाधिका ।

भावार्थ -> आशय है कि यदि थोडी वस्तुऐं भी हो तो उन्हें अनेक संग्रह संगठन से प्रत्येक कार्य को साध लिया जाता है। अतः संगठ संगठन में शक्ति निहित होती है। वर्तमान में इस कलयुग में संगठन सबसे बडी शक्ति है। जिससे किसी भी कार्य को सरलता से साध लिया जाता है।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

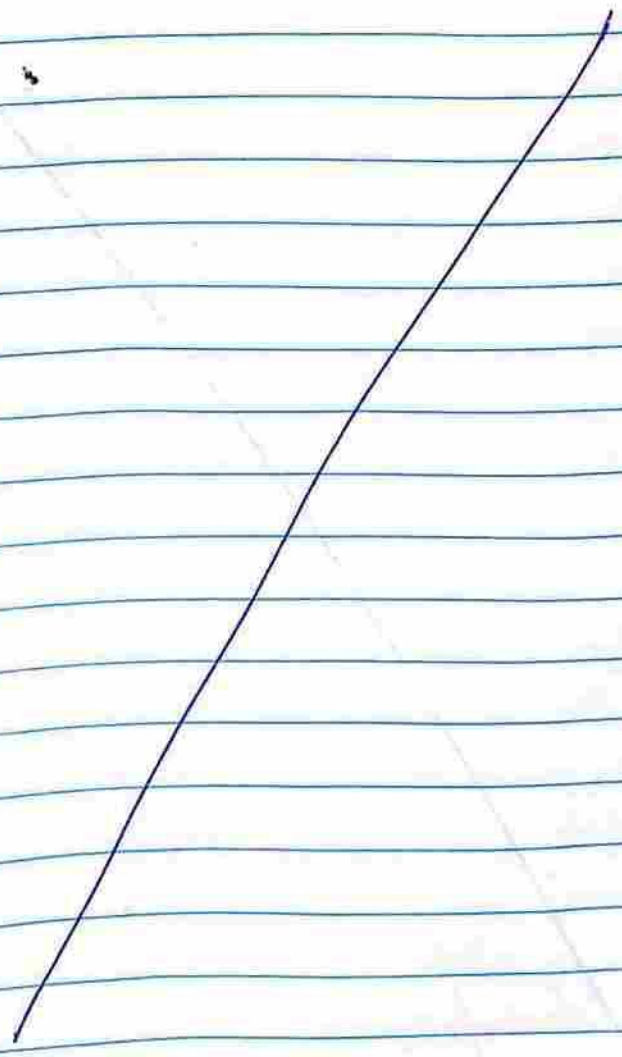

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

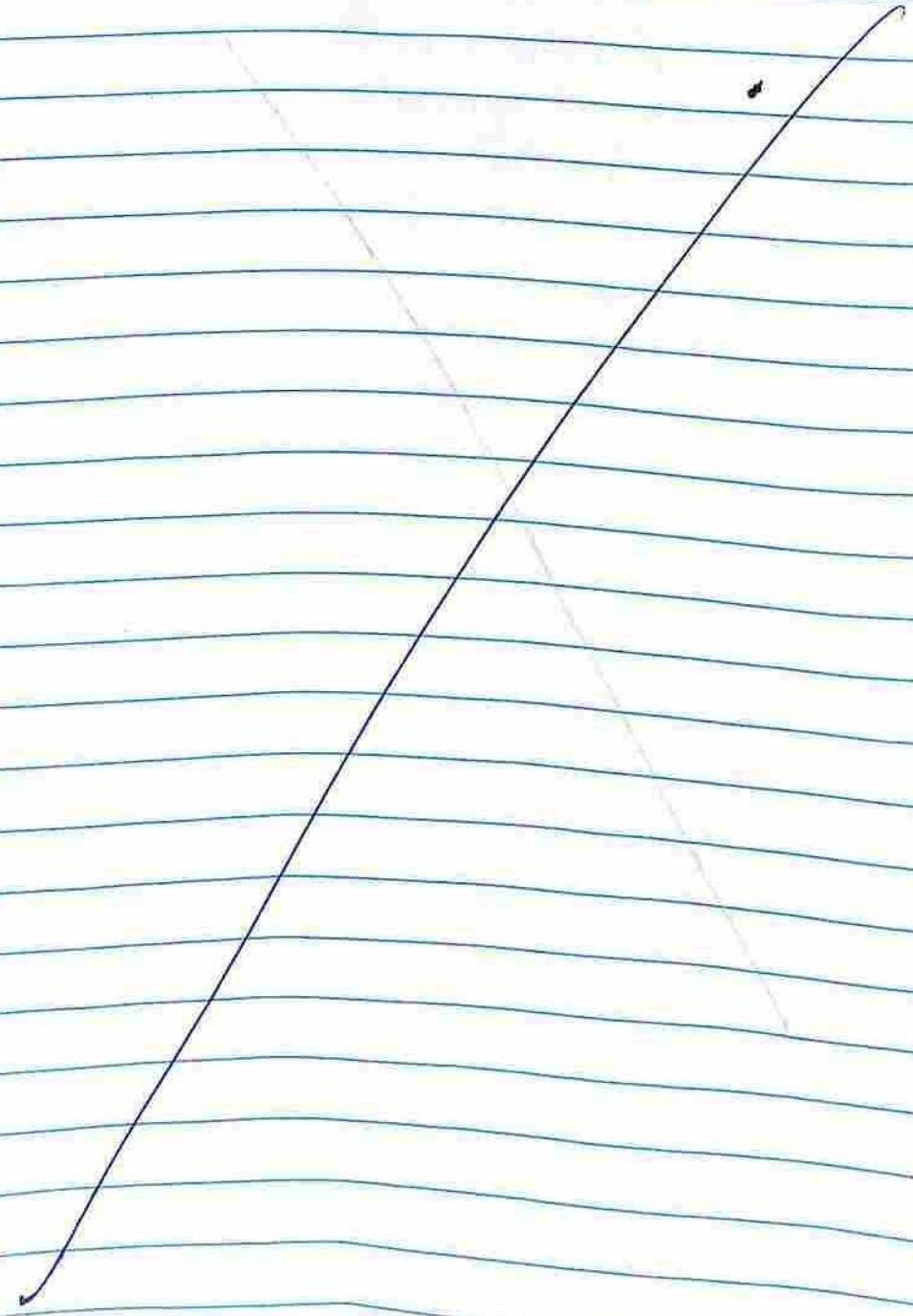

BSER-16522019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर